नाम — अभय शुक्ला

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका–

सतत विकास का अर्थ–

शब्द सतत विकास का सबसे पहले प्रयोग वर्ल्ड कंजर्वेशन स्ट्रेटजी ने किया जिसे प्रकृति एवं प्राकृतिक साधनों के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ ने 1980 में प्रस्तुत किया ब्रंडटलैंड के अनुसार सतत विकास का अर्थ है वर्तमान युग की आवश्यकताओं का भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौता किए बिना पूरा करना अतः सतत विकास विकास है जो निरंतर चलता रहता है यह जीवन की आवश्यकताओं की गुणवत्ता में सुधार हो शिक्षा व्यवस्था में सुधार प्राकृतिक पर्यावरण साधनों के क्षेत्रों में सुधार स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार से संबंध रखता है।

अन्य शब्दों में सतत विकास का अर्थ है जिसमें निरंतर विकास हो तथा आर्थिक क्षेत्र में निरंतर विकास होता रहे सतत विकास के क्षेत्र में पूंजी जो कि प्राकृतिक है उसमें कमी नहीं होना चाहिए साथ–साथ मानवीय प्राकृतिक एवं भौतिक पूंजी के मूल्यों में कमी नहीं होनी चाहिए।

सतत विकास के उद्देश्य– सतत विकास का हमारे जीवन में निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. सतत विकास का उद्देश्य मानव जीवन की गुणवत्ता में सुधारों का सृजन।
2. अंतर प्रजननात्मक निष्पक्षता का संवर्धन
3. सतत विकास का उद्देश्य आर्थिक सामाजिक स्थिति ठीक कर हमें ऊपर उठाना है।
4. सतत विकास का उद्देश्य पर्यावरण के संसाधनों में सुधार कर पर्यावरण को स्वच्छ बनाना है।
5. सतत विकास का उद्देश्य दृढ़ सतत विकास स्थापित करना है साथ ही लोगों को जागरूक करने से है।

सतत विकास की शर्तें– प्रायः सतत विकास का मापन कठिन है इसमें बहुत सारी समस्याएं उत्पन्न होती हैं जिसमें तालमेल स्थापित करना काफी कठिन होती है।

कुछ सतत विकास शर्तें निम्न है–

1. सतत विकास की सरसों में सबसे पहला यह है कि पूंजी की उपलब्धता हो।
2. पर्यावरणीय संसाधनों की उपलब्धता होनी चाहिए।
3. पर्यावरणीय संसाधनों की लेखा जोखा होना चाहिए।
4. संपत अधिकारों के बारे में बताना।

5. साधनों की उपलब्धता होनी चाहिए साथ ही उनके संरक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए।

सतत विकास की नीतियां–

सतत विकास की कुछ नीतियां निम्नवत है

1. आर्थिक स्थिति ठीक करना।
2. लोगों को सतत विकास हेतु प्रोत्साहित करना।
3. लोगों को जागरुक करना।
4. संपत्ति अधिकारों के बारे में बताना।
5. बाजार अधिगम पर जोर देना।
6. लोगों को कर्ज लेने से मुक्त करना।

सतत विकास में युवाओं की भूमिका–

जैसा कि हम जानते हैं कि युवा ही हमारे देश का भविष्य है सतत विकास के क्षेत्र में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है सरकार द्वारा युवाओं के माध्यम से सतत विकास में काम कर रही है सरकार द्वारा पेश किया गया कि राष्ट्रीय युवा नीति 2014 के तहत युवाओं को उनके क्षमताओं का आकलन करके उनके अनुसार उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करना है भारत देश में युवाओं की संख्या 65: जनसंख्या की आयु 35 वर्ष से कम है युवाओं को भारत देश के विकास हेतु अपनी सक्रिय कदम रखने चाहिए ना कि केवल 1 सदस्य के रूप में अपने योगदान करें। युवाओं को खुद ही अपने स्किल को पहचान कर चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में स्वास्थ्य के क्षेत्र में या किसी भी क्षेत्र में हो अपने और दान देने चाहिए ताकि हमारा भारत देश अपने शीर्ष स्थान पर पहुंच सके जो कि हमारे सरकारी व युवाओं को आगे बढ़कर ही प्राप्त किया जा सकता है।

निष्कर्ष– शिवाजी वह है जो सब कुछ अपने देश के सतत विकास के लिए कर सकते हैं जैसा कि हमारे देश के कुछ महान नायकों द्वारा चाहे वह खेल के क्षेत्र में हो शिक्षा के क्षेत्र में राजनीति के क्षेत्र में कर रहे हैं सरकार द्वारा देश के विकास में योगदान में कमियां देखने को मिल रही है जैसा कि कुछ ऐसी है स्थान है जहां छात्रों की सुविधा नहीं स्वास्थ्य की संख्या नहीं शिक्षा की कमी है जब तक हमारे देश में सभी क्षेत्रों में निरंतर अधिकार नहीं होगा तब तक सतत विकास नहीं होगा हालांकि हमारे देश में वर्तमान भारी संख्या में बेरोजगारी है जोकि सार्वजनिक कार्यों के माध्यम से ही ठीक हो सकता है जैसा कि हम जानते हैं कि युवा ही हमारे देश के नए राष्ट्र में सहयोग करेंगे वित्त भरने के बाद ही हमारे देश के राष्ट्र निर्माण में भाग लेंगे साथ ही सरकार का योगदान रहना चाहिए।